Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 19 August 2024

Dainik Jagran
Page - 06

डीफार्म, बीफार्म व बीसीए में प्रवेश की तैयारी पूरी

- इसी सप्ताह प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा गोवि
- वह दूई आवेदन की अर्हता व शर्तों सीटों की संख्या की गई निर्धारित

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : वर्तमान सत्र से ही दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की सूची में पांच व्यावसायिक पाठ्यक्रम और जुड़ जाएंगे। डीफार्म, बीफार्म, एमएस इन एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए इन आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स)और इन मशीन लर्निंग व डाटा साइंस नाम के इन पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या निर्धारित कर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रवेश के इसी सप्ताह आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। जल्द से जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर कक्षाओं का संचालन शुरू करने की विश्वविद्यालय की योजना है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम की सीटें व अर्हता

डीफार्म : 60, इंटरमीडिएट, बीफार्म : 60, भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी, गणित, बायोटेक्नालजी, कंप्यूटर साइंस, जीव विज्ञान विषय से 40 प्रतिशत अंक के साथ इंटरमीडिएट, एमएस इन एआइ : 30, गणित, कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स, भौतिकी या साख्यिकी विषय के साथ बीएससी, बीटेक, बीसीए व एमसीए, बीसीए इन आइओटी : 60, गणित स्नातक सेइंटरमीडिएट या डिप्लोमा

बीसीए इन मशीन लर्निंग व डाटा साइंस : 60, गणित स्नातक सेइंटरमीडिएट या डिप्लोमा

छात्र सफेद कुर्ता-पायजामा और छात्राएं पीली साड़ी में लेंगी पदक

गांधी में पहली बार तय हुआ दीक्षा समारोह के लिए ड्रेस कोड समानता का भाव और परंपरा की स्थापना है लक्ष्य करने का उद्देश्य

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए संकाय सदस्यों और पदक विजेताओं/डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। प्रस्तावित ड्रेस कोड का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के दौरान एकता और परंपरा की भावना पैदा करना है। ड्रेस कोड का विवरण इस प्रकार है- संकाय सदस्यों के लिए, पुरुष व्हाइट कुर्ता पायजामा, महिला व्हाइट साड़ी, पदक विजेताओं/डिग्री पुरस्कार विजेताओं के लिए, पुरुष सफेद कुर्ता पायजामा, महिला पीली साड़ी, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने ड्रेस कोड के महत्व बताते हुए कहा कि हमारे दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड की शुरूआत हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और संकाय और छात्रों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। यह सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास है कि दीक्षांत समारोह सभी प्रतिभागियों के लिए एक गरिमापूर्ण और यादगार कार्यक्रम बना रहे। प्रस्तावित ड्रेस कोड की अंतिम मंजूरी कार्य परिषद देगी।

Amar Ujala
Page - 09

सहायक आचार्य के लिए 276 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 63 सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति के लिए रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। दो पालियों में आयोजित परीक्षा में 276 अभ्यर्थी शामिल हुए।

कुल 63 विज्ञापित पदों में कृषि विज्ञान, विधि, वाणिज्य, अभियांत्रिकी, व्यापार प्रशासन और फार्मेसी के शैक्षणिक पद शामिल हैं। सुबह की पाली में इंजीनियरिंग, फार्मेसी और बिजनेस मैनेजमेंट के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 थे, जिसमें 201 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि और वाणिज्य के शैक्षणिक पद शामिल हैं। सुबह की पाली में इंजीनियरिंग, फार्मेसी और बिजनेस मैनेजमेंट के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 थे, जिसमें 201 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि और वाणिज्य के शैक्षणिक पद शामिल हैं। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि और वाणिज्य के लिए परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 102 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें 75 ने परीक्षा दी।

डीडीयू में सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति के लिए हुई लिखित परीक्षा

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीक्षा भवन स्थित परीक्षा केंद्र पर आयोजित हो रही परीक्षा का निरीक्षण किया। सभी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कुलपति ने कहा कि नए प्रतिभावान शिक्षकों की नियुक्ति से पाठ्यक्रमों का बेहतर संचालन होगा। उन्होंने कहा कि फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा।

परीक्षा का आयोजन आरएमसी सेल के समन्वयक प्रो. राजीव गौड़ के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर साक्षात्कार की तिथि जारी की जाएगी।

Hindustan
Page - 06

सहायक आचार्य बनने को 276 ने दी परीक्षा

- डीडीयू में असिस्टेंट प्रो. (संविदा) की नियुक्ति के लिए हुई लिखित परीक्षा
- कृषि, इंजीनियरिंग, वाणिज्य, फार्मेसी आदि के 63 पदों के लिए आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 63 सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति के लिए रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। दो पालियों में आयोजित परीक्षा में 276 अभ्यर्थी शामिल हुए।

डीडीयू में कुल 63 विज्ञापित पदों में कृषि विज्ञान, विधि, वाणिज्य, अभियांत्रिकी, व्यापार प्रशासन और फार्मेसी के शैक्षणिक पद शामिल हैं। सुबह की पाली में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, और बिजनेस मैनेजमेंट के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 में जिसमें 201 ने परीक्षा दी। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि और वाणिज्य के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इसमें 102 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें 75 ने परीक्षा दी।

डीडीयू में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए रविवार को आयोजित परीक्षा के दौरान निरीक्षण करती कुलपति प्रो. पूनम टंडन। ■ बीएचयू

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीक्षा भवन स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। साथ ही स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कुलपति ने कहा कि नए प्रतिभावान शिक्षकों की नियुक्ति से पाठ्यक्रमों का बेहतर संचालन होगा। फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा।

परीक्षा का आयोजन आरएमसी सेल के समन्वयक प्रो. राजीव गौड़ के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर साक्षात्कार की तिथि जारी की जाएगी।

डीडीयू के विशेषज्ञ वास्तुदोष का करेंगे निवारण, ओपीडी भी चलेगी

स्वास्थ्यलाभ

- हाल ही में
- गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वास्तुदोष के चलते कार्यस्थल पर कार्य में बाधा आती है। इसके निवारण के लिए विश्वविद्यालय परिसर में वास्तु विशेषज्ञ की सेवाएं ली जाएंगी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एक ओपीडी भी चलेगी। यह ओपीडी सप्ताह में दो दिन शनिवार व मंगलवार को चलेगी। इसमें विश्वविद्यालय के छात्र, छात्राएं, कर्मचारी व अधिकारी सभी को निःशुल्क उपचार किया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक चिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने चिकित्सकों से बातचीत की है। जिसके लिए विश्वविद्यालय ने चिकित्सकों से बातचीत की है।

इस सप्ताह प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा गोवि

- विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. राजीव गौड़ ने कहा कि फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने चिकित्सकों से बातचीत की है। जिसके लिए विश्वविद्यालय ने चिकित्सकों से बातचीत की है।
- विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. राजीव गौड़ ने कहा कि फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा।
- विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. राजीव गौड़ ने कहा कि फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा।

Rashtriya Sahara
Page - 07

विवि दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड तय

- 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए संकाय सदस्यों और पदक विजेताओं/डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए ड्रेस कोड लागू करेंगी राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए संकाय सदस्यों और पदक विजेताओं/डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। प्रस्तावित ड्रेस कोड का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के दौरान एकता और परंपरा की भावना पैदा करना है। ड्रेस कोड का विवरण इस प्रकार है- संकाय सदस्यों के लिए, पुरुष व्हाइट कुर्ता पायजामा, महिला व्हाइट साड़ी, पदक विजेताओं/डिग्री पुरस्कार विजेताओं के लिए, पुरुष सफेद कुर्ता पायजामा, महिला पीली साड़ी, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने ड्रेस कोड के महत्व बताते हुए कहा कि हमारे दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड की शुरूआत हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और संकाय और छात्रों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। यह सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास है कि दीक्षांत समारोह सभी प्रतिभागियों के लिए एक गरिमापूर्ण और यादगार कार्यक्रम बना रहे। प्रस्तावित ड्रेस कोड की अंतिम मंजूरी कार्य परिषद देगी।

63 सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति को हुई लिखित परीक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि में संचालित विभिन्न स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 63 सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति के लिए रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।

कुल 63 विज्ञापित पदों में कृषि विज्ञान, विधि, वाणिज्य, अभियांत्रिकी, व्यापार प्रशासन तथा फार्मेसी के शैक्षणिक पद शामिल हैं। सुबह की पाली में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, और बिजनेस मैनेजमेंट के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 थे जिसमें 201 ने परीक्षा दी तथा 59 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि तथा वाणिज्य के लिए परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 102 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें 75 ने परीक्षा दी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दीक्षा भवन स्थित परीक्षा केंद्र पर आयोजित हो रही इस परीक्षा का निरीक्षण किया। सभी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कुलपति ने कहा कि नए प्रतिभावान शिक्षकों की नियुक्ति से पाठ्यक्रमों का बेहतर संचालन होगा।

डीडीयू गोविवि प्रतिभावान शिक्षकों की नियुक्ति से पाठ्यक्रमों का बेहतर संचालन होगा। उन्होंने कहा कि फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा। परीक्षा का आयोजन आरएमसी सेल के समन्वयक प्रो.राजीव गौड़ के नेतृत्व में किया गया। जल्दी ही लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर साक्षात्कार की तिथि को घोषणा की जाएगी।

Amar Ujala Select
Page - 04

दीक्षांत समारोह : पीली साड़ी में पदक लेंगी छात्राएं

डीडीयू प्रशासन ने पहली बार तय किया ड्रेस कोड, सफेद कुर्ता-पायजामा में दिखेंगे छात्र

शिक्षक ऑफ व्हाइट कुर्ता-पायजामा, शिक्षिकाएं ऑफ व्हाइट साड़ी पहनेंगी

> वर्जनप्रसविद ड्रेस कोड का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के दौरान एकता और परंपरा की भावना पैदा करना है। ड्रेस कोड की शुरुआत हमारी संस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और संकाय व छात्रों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है।
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए अलग ड्रेस कोड तय किया गया है। यह पहला मौका है जब दीक्षांत के लिए ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है।

पदक विजेताओं व डिग्री/उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र सफेद पारंपरिक कुर्ता पायजामा में नजर आएंगे। इसी तरह छात्राएं पीली साड़ी पहनेंगी।

संकाय सदस्यों में शिक्षकों के लिए ऑफ व्हाइट कुर्ता-पायजामा और शिक्षिकाओं के लिए ऑफ व्हाइट साड़ी ड्रेस कोड तय किया गया है। प्रस्तावित ड्रेस कोड को अंतिम मंजूरी कार्य परिषद देगी।

दीक्षांत समारोह में अलग परिधान के लिए हमेशा आवाज उठती रही है। इसे देखते हुए पहली बार पारंपरिक पहनावे का चयन ड्रेस कोड के रूप में किया गया है।

मंच सज्जा की संयोजक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने बताया कि संकायवार पटका निर्धारित है।

पटके से ही छात्रों के संकाय की पहचान होती है। इसके तहत विज्ञान संकाय के टॉपर्स नीले रंग का पटका ग्रहण करेंगे।

कला के छात्र मैरून, विधि के छात्र केसरिया, मेडिकल छात्र सफेद, एजुकेशन के छात्र गुलाबी, कृषि संकाय के छात्र हरे रंग के पटके में नजर आएंगे।

Inext Page -04

डीडीयू में यूजीसी देगी दूरस्थ शिक्षा केंद्र की अनुमति

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (18 August): परिसर में दूरस्थ शिक्षा केंद्र संचालित करने की यादगवेशंकर मालवीय प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी की कमान्यर निर्णायक दौर में पहुंच गई है. संचालन की अनुमति देने वाली संस्था यूनिवर्सिटी अनुदान आयोग सभी यूजीसी इसे लेकर यूनिवर्सिटी की तैयारी को परखने जा रही है. इसके लिए यूजीसी टीम का निरीक्षण कार्यक्रम यूनिवर्सिटी को मिल चुका है. 22-23 को टीम यूनिवर्सिटी का वर्चुअल माध्यम से निरीक्षण करेगी. तैयारी अगर खरा के अनुरूप मिली तो केंद्र संचालन की अनुमति का पत्र जारी करेगी. अनुमति मिलते ही यूनिवर्सिटी केंद्र बीबीए व एमएससी पाठ्यक्रम के साथ केंद्र का संचालन शुरू कर देगा. यूनिवर्सिटी प्रशासन अगस्त से केंद्र को शुरू करने की योजना भी बना रहा है.

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम

यूनिवर्सिटी के आइएसएलं (आर्टिफिक्ष गुणवत्ता सुनियन्त्रण प्रकोष्ठ) के निदेशक प्रो. बीएल गोले ने बताया कि दूरस्थ शिक्ष केंद्र शुरू करने के सभी जरूरतें यूजीसी के मानक के अनुसार पूरी कर ली गई हैं. भारत सरकार के इंजिनियरिंग (एनएआरए एंड एसएडी केएचई) के जरिये अच्छा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित कर लिया गया है और अगस्त केंद्र शुरू करने का मानक पूरा करने के लिए एमबीए का दो सेमेस्टर का और बीबीए का सेमेस्टर का कंटेंट अपलोड कर दिया गया है.

स्वीकृति का इंतजार

केंद्र के लिए यूजीसी की यह आवश्यक शर्त थी. इसके अलावा यूजीसी की मांग के अनुसार 15 मिनट का ऐसी वीडियो कंटेंट बनाया गया है. सभी जरूरी दस्तावेज भी तैयार कर लिए गए हैं. अब तो सिर्फ यूजीसी टीम के निरीक्षण और स्वीकृति का इंतजार है. प्रो. गोले ने बताया कि केंद्र के लिए यूजीसी में आवेदन प्रक्रियाक तैयारी पहले है. ऐसे में यूजीसी के दूरस्थ शिक्ष केंद्र को स्थापना के साथ ही यही संकाय में इन पाठ्यक्रमों के लिए अभ्यर्थी पूरे उत्साह से जुड़ेंगे. इसके साथ ही यूनिवर्सिटी प्रशासन ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों की भी चिन्हित करना शुरू कर दिया है.

टी सादरसीव टीम

परिसर में दूरस्थ शिक्ष केंद्र की स्थापना और संचालन के लिए यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जेपी सिंह ने दो सदस्यीय टीम बनाई है. प्रो. विक्रम पाल गोले को उसका समन्वयक बनाया है. प्रो. सेखर यादव सह-समन्वयक के तौर पर उनका सहयोग कर रहे हैं.

डीफार्मा, बीफार्म, एमएससी इन एआई व बीसीए में एडमिशन की तैयारी पूरी

SPECIAL

इसी सप्ताह प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा डीडीयू

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (18 August): इसी सत्र से ही दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के कोर्सेज की लिस्ट में पांच कामर्शियल कोर्स और जुड़ जाएंगे. डीफार्म, बीफार्म, एमएस इन एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए इन आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स)और बीसीए इन मशीन लर्निंग व डाटा साइंस नाम के इन कोर्सेज में सीटों की संख्या निर्धारित कर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने प्रवेश की तैयारी शुरू कर दी है. यूनिवर्सिटी के प्रवेश प्रकोष्ठ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रवेश के इसी सप्ताह आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे. जल्द से जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर कक्षाओं का संचालन शुरू करने की यूनिवर्सिटी की योजना है.

इसी सत्र से तैयारी

बीते दिनों पीसीआइ (फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया) से डीफार्म और बीफार्म पाठ्यक्रम को संचालित करने की अनुमति मिलने के बाद यूनिवर्सिटी इन दोनों पाठ्यक्रमों के इस सत्र से संचालन की तैयारी में जुट गया है. इसके लिए लैब और कक्षाओं का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. एसएस इन एआइ और बीसीए इन आइओटी व बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इन्फार्मेशन टेक्नालाजी) से यूनिवर्सिटी का करार पहले ही हो चुका है.

दी नई जानकारी

प्रवेश प्रकोष्ठ ने इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को संपूर्ण जानकारी देने के लिए बोशर तैयार कर लिया है. इस बोशर में सीटों की संख्या से लेकर आवेदन की अर्हता तक की जानकारी दी गई है, जिससे अभ्यर्थियों के बीच भ्रमों को लेकर किसी तरह का संशय न रह जाए.

पाठ्यक्रम की सीटें व अर्हता

- **डीफार्म** : 60, इंटरमीडिएट
- **बीफार्म** : 60, भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी, गणित, बायोटेक्नालजी, कंप्यूटर साइंस, जीव विज्ञान विषय से 40 प्रतिशत अंक के साथ इंटरमीडिएट
- **एमएस इन एआइ** : 30, गणित, कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स, भौतिकी या साख्यिकी विषय के साथ बीएससी, बीटेक, बीसीए व एमसीए
- **बीसीए इन आइओटी** : 60, गणित सहमां से इंटरमीडिएट या डिप्लोमा
- **बीसीए इन मशीन लर्निंग व डाटा साइंस** : 60, गणित सहमां से इंटरमीडिएट या डिप्लोमा

> डीफार्म व बीफार्म सहित पांच नए पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से प्रवेश लेने की तैयारी कर ली गई है. सभी पांच नए पाठ्यक्रमों की वर्तमान में लोकप्रियता है. ऐसे में पूरा विश्वास है कि प्रवेश के लिए पर्याप्त संख्या में आवेदन आएंगे और हमें योग्य विद्यार्थी प्राप्त होंगे.
> प्रो. पूनम टंडन, वीसी

Swatantra Bharat

गोविवि दीक्षांत समारोह में लागू होगा ड्रेस कोड

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए संकाय सदस्यों और पदक विजेताओं/डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। प्रस्तावित ड्रेस कोड का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के दौरान एकता और परंपरा की भावना पैदा करना है। ड्रेस कोड का विवरण इस प्रकार है।

संकाय सदस्यों के लिए- पुरुष-ऑफ व्हाइट कुर्ता पायजामा, महिला- ऑफ व्हाइट साड़ी, पदक विजेताओं/डिग्री पुरस्कार विजेताओं के लिए- पुरुष- सफेद कुर्ता पायजामा, महिला- पीली साड़ी कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने ड्रेस कोड के महत्व पर जोर देते हुए कहा, हमारे दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड की शुरूआत हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और हमारे संकाय और छात्रों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। यह सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास है कि दीक्षांत समारोह सभी प्रतिभागियों के लिए एक गरिमापूर्ण और यादगार कार्यक्रम बना रहे। दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा और विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा।

Swatantra Chena
Page - 03, 04

सहायक आचार्यों की नियुक्ति के लिए लिखित परीक्षा आयोजित

- कुल 260 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 201 ने दी परीक्षा, 59 रहे अनुपस्थित

सतीश चेना गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए 63 सहायक आचार्य (संविदा) की नियुक्ति के लिए आज लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।

कुल 63 विज्ञापित पदों में कृषि विज्ञान, विधि, वाणिज्य, अभियांत्रिकी, व्यापार प्रशासन तथा फार्मेसी के शैक्षणिक पद शामिल हैं। सुबह की पाली में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, और बिजनेस मैनेजमेंट के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 थे जिसमें 201 ने परीक्षा दी तथा 59 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि तथा वाणिज्य के लिए परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत अभ्यर्थी 260 थे जिसमें 201 ने परीक्षा दी तथा 59 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में कृषि विज्ञान, विधि तथा वाणिज्य के लिए परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 102 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें 75 ने परीक्षा दी।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने दीक्षा भवन स्थित परीक्षा केंद्र का आयोजित हो रही इस परीक्षा का निरीक्षण किया। सभी स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कुलपति ने कहा कि नए प्रतिभावान शिक्षकों की नियुक्ति से पाठ्यक्रमों का बेहतर संचालन होगा। फार्मेसी पाठ्यक्रम में शिक्षण कार्य वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही शुरू होगा।

परीक्षा का आयोजन आरएमसी सेल के समन्वयक प्रो. राजीव गौड़ के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित कर साक्षात्कार की तिथि जारी की जाएगी।

विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह के लिए तय किया ड्रेस कोड

स्वतंत्र वेतना गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 30 अगस्त को होने वाले 43वें दीक्षांत समारोह के लिए संकाय सदस्यों और पदक विजेताओं/डिग्री प्राप्तकर्ताओं के लिए ड्रेस कोड लागू करने जा रहा है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी।

प्रस्तावित ड्रेस कोड का उद्देश्य दीक्षांत समारोह के दौरान एकता और परंपरा की भावना पैदा करना है।

संकाय सदस्यों के लिए

पुरुष: ऑफ व्हाइट कुर्ता पायजामा
महिला: ऑफ व्हाइट साड़ी

पदक विजेताओं/डिग्री पुरस्कार विजेताओं के लिए

पुरुष: सफेद कुर्ता पायजामा
महिला: पीली साड़ी

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने ड्रेस कोड के महत्व पर जोर देते हुए कहा, हमारे दीक्षांत समारोह के लिए ड्रेस कोड की शुरूआत हमारी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और हमारे संकाय और छात्रों के बीच गर्व की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। यह सुनिश्चित करने का हमारा प्रयास है कि दीक्षांत समारोह सभी प्रतिभागियों के लिए एक गरिमापूर्ण और यादगार कार्यक्रम बना रहे।

दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा और विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा। ड्रेस कोड के कार्यान्वयन से कार्यक्रम की गंभीरता और परंपरा में योगदान मिलेगा। प्रस्तावित ड्रेस कोड की अंतिम मंजूरी कार्य परिषद देगी।